गुद *n.* ânus. AM.

1\. गुध् 1. *A.* (क्रीडे) ludere, v. गुद्.

2\. गुध् 4. *P.* (परिवेष्टने *K.* वेष्टे *V.*) tegere, cf. गुण्ठ्, गुण्ड्, गुह्, कुद्; gr. *κεύθω*, nostrum *Haut*, germ. vet. *hût*, Th. *hûti*, anglo-sax. *hyde, hyd*; lat. *cutis*, nisi pertinet ad कृत्ति, litterâ *t* melius convenit cum कुण्ठ् q. v.; germ. vet. *cozo* lacerna, *umbi-chuzî* amictus.)

3\. गुध् 9. *P.* (रोषे *K.* रुषि *V.*) irasci; cf. क्रुध्.

गुन्द्र् 10. *P.* (कुन्द्रे *V.*) mentiri, cf. कुन्द्र्.

1\. गुप् 1. *P. A.* 10. *P.* custodire, tueri, servare. N. 17. 22.: गुप्ताम् बलेन महता; H. 4. 43.: नकुलः सहदेवश्च मातरङ् गोपयिष्यतः. (*) — *Desid.* जुगुप्स् 1) latere velle, abscondere. RAM. III. 53. 42.: जुगुप्सन् इव आत्मानम्; III. 75. 42.: कर्म जुगुप्सितम् facinus celandum. 2) spernere, vituperare. MAN. 11. 189.: कृतनिर्णेजनांश्चा ’पि न जुगुप्सेत कर्हिचित् (Schol. निन्देत्); 3. 209.: विप्रान् अजुगुप्सितान् (Schol. अनिन्दितान्). (Haec radix explicari possit ex गो + पा, correpto ओ in उ, gr. 33. annot., et abjecto आ radicis पा; v. quod supra de गवेच् diximus.)

c. अभि *id.* DR. 2. 14.: मरुद्गणैर् इन्द्र इवा ’भिगुप्तः.

2\. गुप् 4. *P.* (व्याकुलत्वे) perturbare.

गुप्तक (a गुप्त s. क) *n. pr.* DR. 2. 11.

गुप्ति *f.* (r. गुप् s. ति) carcer. MED.

गुफ् 6. *P.* (ग्रन्थे) componere, serere, nectere; *v. sq.*

गुम्फ् 6. *P. id.* MR. 4. 13.: सुमनसः गुम्फति.

गुर् 1. et 6. *P.* गोरामि, गुरामि (उद्यमे) tollere, sublevare; cf. गुर्व्, ग्रह्.

c. अव 6. *P.* invadere, impetum facere *in alqm., c. loc.* MAN. 4. 169.: न कदाचिद् द्विजे तस्माद् विद्वान् अवगुरेद् अपि; 11. 206. 208.: अवगूर्य, *v.* gr. 635. 5. (Schol. अवगुर् per दण्डाद्युद्यमने explicat.)

गुरु 1) *Adj.* (*f.* गुर्वी) gravis, *transl.* eximius, venerandus. BH. 6. 22. A. 5. 7. BR. 2. 6. IN. 5. 41. 2) *Subst.* magister et quaevis utriusque sexûs persona propinquae cognationis causâ imprimis veneranda. BH. 2. 5. IN. 4. 9. 5. 19. 41. SU. 4. 15. - *Dual.* गुरू parentes. SA. 4. 22. (गुरु ortum est e गरु mutato अ in उ, ut videtur, per vim assimilationis litterae finalis, sicut supra गिरि e गरि; ab obsoleto गरु venit compar. गरीयस्, superl. गरिष्ठ et gr. *βαρύς*, mutatâ gutturali in labialem, sicut in *βίβημι* et *βοῦς*, v. गा, गो; lat. *gravis* per metathesin ortum est e *garvis*, e *garuis*, adjecto *i*, sicut in aliis, qui primitive in *u* desinunt, adjectivis; e. c. *tenuis* = तनु, *τανυ*; goth. *kauriths* gravatus; lith. *giéras* bonus.)

गुरुतल्प *m.* (*BAH.* e praec. et तल्प lectus) qui incestum fecit, qui *Gurûs* uxorem incestavit. IN. 2. 6.

गुर्द् 1. *A.* 10. *P.* (निकेतने क्रीडायाम् *K.* निकेतने कुर्दे *V.*) habitare; ludere; *cf.* कुर्द्, कूर्द्, गुद्.

गुर्व् 1. *P.* (vocalis radicalis producitur, e. c. गूर्वामि, जुगूर्व) i. q. गुर्.

गुल्फ *m. n.* talus *pedis*. IN. 5. 12.

गुल्म *m.* frutex. H. 1. 12. N. 13. 12.

गुह् 1. *P. A.* (haec radix in formis, quae Gunam postulant, vocalem उ producit, e. c. गूहति, गूहते, जुगूह, pro गोहति etc.) tegere, abscondere. MAN. 7. 105.: गूहेत् कूर्म इवा ’ङ्गानि. *Part. pass.* गूढ, gr. 102[a]. IN. 5. 12.: गूढगुल्फधर, N. 22. 15.: गूढ occultus. (गुह् ortum est ex idem valente गुध्, relictâ solâ aspiratione litterae ध्, v. gr. comp. 23. Cum गुध् cognatum est गुण्ठ् et gr. *κεύθω*, mutatâ mediâ in aspiratam; de *θ* pro ध् v. gr. comp. 16. Huc etiam trahi possit gr. *δύω*, lat. *en-duo*, mutatâ gutturali mediâ in lingualem, sicut in *Δημήτηρ* pro *Γημήτηρ*, *δῆμος* pro *γῆμος*, v. जन; *διδάσκω* pro *γιγάσκω*, v. ज्ञा.

c. उप amplecti. RAGH. 18. 46.: तम् … उपजुगूह लक्ष्मीः; R. Schl. I. 26. 9.: अयोध्याम् उपगूहते सरःप्रवृत्ता सरयूः; RAGH. 6. 13.: कराभ्याम् उपगूढनालम् … भ्रमयाञ्चकार; SA. 5. 70.

c. उप praef. सम् *id.* C'AUR. 6.: अङ्गैर् अहं समुपगुह्य.

(*) Grammatici *gup* 10. explicant per *b'âs'ârt'ê b'âsi* i. e. loqui, lucere.